



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 430] नई दिल्ली, गुरुवार, अक्टूबर 30, 1992/कार्तिक 8, 1914
No. 430] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 30, 1992/KARTIKA 8, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जन-सूचना परिषद् संज्ञा
(पत्रक पक्ष)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1992

अधिसूचना

सा. का. नि. 837(अ) - केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्याय अधि-
नियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के
साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, गुरुगोब पत्तन न्याय मण्डल द्वारा बनाए गए और इस
अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में गुरुगोब पत्तन न्याय कर्मचारी
(सेवा निवृत्ति के पश्चात नियोजन स्वीकार करना) (प्रथम संशोधन)
विनियम, 1992 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन
की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

गुरुगोब पत्तन न्याय

अनुसूची

गुरुगोब पत्तन कर्मचारी (अधिव्यापिता तथा सेवा निवृत्ति आदि) विनियम,
1974।

प्रमुख पत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा
28 के साथ पठित धारा 124 (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, गुरुगोब पत्तन न्याय का न्यायी मंडल, एन.ए.ए.ए.,
गुरुगोब पत्तन कर्मचारी (अधिव्यापिता तथा सेवा निवृत्ति आदि) विनियम,
1974 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाने
है अर्थात्

(i) ये विनियम गुरुगोब पत्तन कर्मचारी (अधिव्यापिता तथा सेवा
निवृत्ति आदि) प्रथम संशोधन विनियम 1992 के नाम से जाने
जाएंगे।

(ii) ये विनियम उक्त तारीख से प्रवृत्त होंगे जिस तारीख को भारत
सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा।

(i) (1) विनियम 5 में प्रथम पैरा को छोड़ दिया जाए तथा
निम्नलिखित में प्रतिस्थापित किया जाए।

5 50/55 को आयु प्राप्त करने पर अनिवार्य सेवा निवृत्ति

इन विनियमों में किसी भी बात के होते हुए हुए विहित प्राधिकारी
के पास संबंधित अक्षमता, अयमर्त्यता, गुरुवार और अष्टावार के मामले
में बांध के किसी भी कर्मचारी की, तीन महीने का अग्रिम नोटिस लिखित

रूप में देकर या उसके बदले बेतन तथा भत्ते का भुगतान कर, सेवा निवृत्त करने का एकाधिक अधिकार है।

(ii) विनियम 5 में : विनियम 5 (ii) के नीचे निम्नलिखित टिप्पणी 1 व 2 का जोड़ा जाए।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त विषय पर निर्णय लेने समय, विहित प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर भी निर्णय लेगा।

पवन कर्मचारी :

- (क) जिसकी इमानदारी मन्देशाम्पद ;
- (ख) जिसे श्रद्धा पाया गया है ;
- (ग) पिछले पांच साल से अमन्तोषजनक पाया गया है, उसे सेवानिवृत्ति के लिए विचार किया जाएगा।

टिप्पणी :— 2. निम्नलिखित कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

- (क) उच्च पद पर जिसकी पदोन्नति पिछले पांच वर्ष के दौरान हुई ;
- (ख) मामले पर विचार करने की तारीख से एक वर्ष के भीतर जो सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

2. विनियम 7 में : विनियम 7 की छोड़ दिया जाए तथा निम्न-लिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :

7. 30 वर्ष की सेवा के पश्चात् अनिवार्य सेवानिवृत्ति :

विनियम 5 में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए या यदि कोई कर्मचारी बोर्ड की श्रेणी-III सेवा में या पद पर हो, और बोर्ड के विनियमों से शासित न होता हो, तो शासन श्रद्धा, श्रमसमर्पण, दुरुआचर और भ्रष्टाचार के मामले में विहित प्राधिकारी को संपूर्ण अधिकार है कि वे कर्मचारी को तीस वर्ष की सेवा सम्पन्न होने के पश्चात् सेवानिवृत्ति होने दें। ऐसा करते समय सक्षम प्राधिकारी को चाहिए कि वह कर्मचारी को तीन महीने से अनधिक अग्रिम नोटिस लिखित रूप में दे दे या उसके बदले उम्र अवधि का बेतन एवं भत्ता आदि का गंदायक करें।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त विषय पर निर्णय लेने समय, विहित प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर भी निर्णय लेगा :—

पवन कर्मचारी :

- (क) जिसकी इमानदारी मन्देशाम्पद है ;
- (ख) जिसे श्रद्धा पाया गया है ;
- (ग) पिछले पांच साल से जिसकी सेवा रिकार्ड अमन्तोषजनक पाया गया है, उसे सेवानिवृत्ति के लिए विचार किया जाएगा।

टिप्पणी :— 2. निम्नलिखित कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के लिए विचार नहीं किया जाएगा :

- (क) उच्च पद पर जिसकी पदोन्नति पिछले पांच वर्ष के दौरान हुई है ;
- (ख) मामले पर विचार करने की तारीख से एक वर्ष के भीतर जो सेवानिवृत्ति होने वाले हैं।

मूल विनियम : तथा अनुवर्ती संशोधनों की सरकारी मंजूरी तथा राजपत्र में प्रकाशन का संदर्भ :

(1) मूल विनियम : केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. पीईजी (35)/74, दिनांक 4/1/75 गोवा, दमन व दीव के सरकारी राजपत्र के सीरीज III, सं. 44, दि. 30-1-75 में प्रकाशित।

(2) अनुवर्ती संशोधन :

(1) केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. पीईजी (8)/15/दिनांक 2-4-75 गोवा, दमन व दीव के सरकारी राजपत्र के सीरीज III, सं. 4 दिनांक 25-9-75 में प्रकाशित।

(ii) केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. : पीईजी (42)/75, दिनांक 24-12-75, गोवा, दमन व दीव के सरकारी राजपत्र के सीरीज III सं. 45, दिनांक 5-2-76 में प्रकाशित।

(iii) केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. पीईजी (15)/78 अप्रैल, 1978 गोवा, दमन व दीव के सरकारी राजपत्र के सीरीज III सं. 7, दिनांक 18-5-78 में प्रकाशित।

(iv) केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. : पीईजी (11)/78, दिनांक 23-5-78 गोवा, दमन व दीव के सरकारी राजपत्र के सीरीज III, सं. 12, दिनांक 22-6-78 में प्रकाशित।

V) सा. का. नि. 271 (ई) दिनांक 3-3-1987

[सं. एच-11011/9/91 पी. ई. अ. I]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, 30th October, 1992

G.S.R. 837(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Employees superannuation and age of Retirement, (First Amendment) Regulations, 1991 made by the Board of Trustees for the Port of Mormugao and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official gazette.

MORMUGAO PORT TRUST

SCHEDULE

AMENDMENT TO MORMUGAO PORT EMP-

LOYEES (SUPERANNUATION AND AGE OF

RETIREMENT), 1974

In exercise of the powers conferred by Section 28 read with Section 124(1) & (2) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of Port of Mormugao, hereby makes the

following regulations further to amend the Mormugao Port Employees' (Superannuation and Age of Retirement) Regulations, 1974, viz :

(i) These regulations may be called the Mormugao Port Employees' (Superannuation and Age of Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992.

(ii) They shall come into force on the date of publication in the Gazette of India.

(1) (i) In Regulation 5. Delete para 1 and substitute by the following :

5. Compulsory Retirement after Attaining age of 50/55 years.—Notwithstanding anything contained in these regulations, the appropriate authority shall, in cases of proved inefficiency, incapacity, misconduct and corruption charges, have the absolute right to retire an employee of the Board by giving him notice of not less than three months in writing or pay allowance in lieu of such notice.

(ii) In Regulation 5 add the following Notes 1 & 2 below regulation 5(ii) :

Note : While taking a decision on the above, the appropriate authority shall take a decision on the following criteria :

Port Employees :

- (a) Whose integrity is doubtful;
- (b) Who are found to be ineffective;
- (c) Whose service records for preceding 5 years have not been found satisfactory should be considered for retirement.

Note : Following employees shall not be considered for retirement :

- (a) Who have been promoted to a higher post during the preceding 5 years.
- (b) Who would be retiring on superannuation within a period of one year from the date of consideration of his case.

2. In Regulation 7 delete regulation 7 and substitute by the following :

7. Compulsory Retirement after 30 years service.—Notwithstanding anything contained in Regulation 5, the appropriate authority shall, in cases of proved inefficiency, incapacity, misconduct and corruption charges, have the absolute right to retire such employee, in Class III service or post who is not governed by the Board's pension regulations, after he has completed

thirty years of service by giving him notice of not less than three months in writing or pay and allowance in lieu of such notice.

Note 1 : While taking a decision on the above, the appropriate authority shall take decision on the following criteria :

Port employees :

- (a) Whose integrity is doubtful;
- (b) Who are found to be ineffective;
- (c) Whose services records for preceding 5 years have not been found satisfactory should be considered for retirement.

Note 2 : Following employees shall not be considered for retirement :

- (a) Who have been promoted to a higher post during the preceding 5 years.
- (b) Who could be retiring on superannuation within a period of one year from the date of consideration of his case.

N.B. Reference of Govt. sanction and gazette publication of Principal Regulation and subsequent amendments :

(1) Principal Regulations : Central Government sanction No. PEG(35)/74 dated 4/1/75 (Published in the Official Gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III no. 44 dated 30-1-75).

(2) Subsequent Amendments :

- (i) Central Government's sanction No. PEG(8)/75 dated 2-4-75 published in the official gazette of Goa, Daman and Diu, Series III, No. 4 dated 25-4-75.
- (ii) Central Government's sanction No. PEG(42)/75 dated 24-12-75 (published in the Official Gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 45 dated 5-2-76).
- (iii) Central Govt.'s sanction No. PEG(15)/78 dated April, 1978 (published in the official gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 7 dated 18-5-78).
- (iv) Central Govt's sanction No. PEG(11)/78 dated 23-5-78 (Published in the official gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 12 dated 22-6-78).

(v) G.S.R. No. 271(E) dated 3-3-1987.

[No. H-11011/9/91-PE-I]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

